CLIMATE CHANGE

पृथ्वी का औसत तापमान अभी लगभग 15 डिग्री सेल्सियस है, हालाँकि भूगर्भीय प्रमाण बताते हैं कि पूर्व में ये बहुत अधिक या कम रहा है. लेकिन अब पिछले कुछ वर्षों में जलवायु में अचानक तेज़ी से बदलाव हो रहा है.

पृथ्वी का वातावरण जिस तरह से सूर्य की कुछ ऊर्जा को ग्रहण करता है, उसे ग्रीन हाउस इफेक्ट कहते हैं. पृथ्वी के चारों ओर ग्रीन हाउस गैसों की एक परत होती है. इन गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड शामिल हैं.

ये परत सूर्य की अधिकतर ऊर्जा को सोख लेती है और फिर इसे पृथ्वी की चारों दिशाओं में पहुँचाती है. जो ऊर्जा पृथ्वी की सतह तक पहुँचती है, उसके कारण पृथ्वी की सतह गर्म रहती है. अगर ये सतह नहीं होती तो धरती 30 डिग्री सेल्सियस ज़्यादा ठंडी होती.
मतलब साफ है कि अगर ग्रीनहाउस गैसें नहीं होतीं तो पृथ्वी पर जीवन नहीं होता.

वैज्ञानिकों का मानना है कि हम लोग उद्योगों और कृषि के जरिए जो गैसे वातावरण में छोड़ रहे हैं (जिसे वैज्ञानिक भाषा में उत्सर्जन कहते हैं), उससे ग्रीन हाउस गैसों की परत मोटी होती जा रही है.

ये परत अधिक ऊर्जा सोख रही है और धरती का तापमान बढ़ा रही है. इसे आमतौर पर ग्लोबल वार्मिंग या जलवायु परिवर्तन कहा जाता है.

ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन: कितनी मात्रा

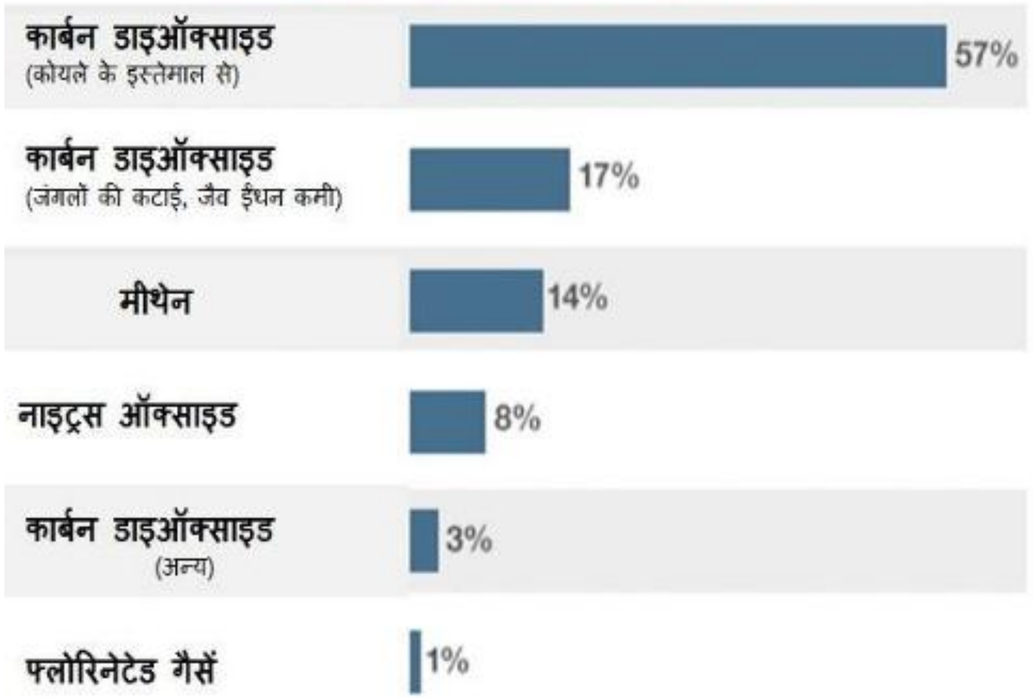

Global Warming
an average increase in the temperature of the atmosphere near the Earth's surface and in the troposphere1, which can contribute to changes in global climate patterns

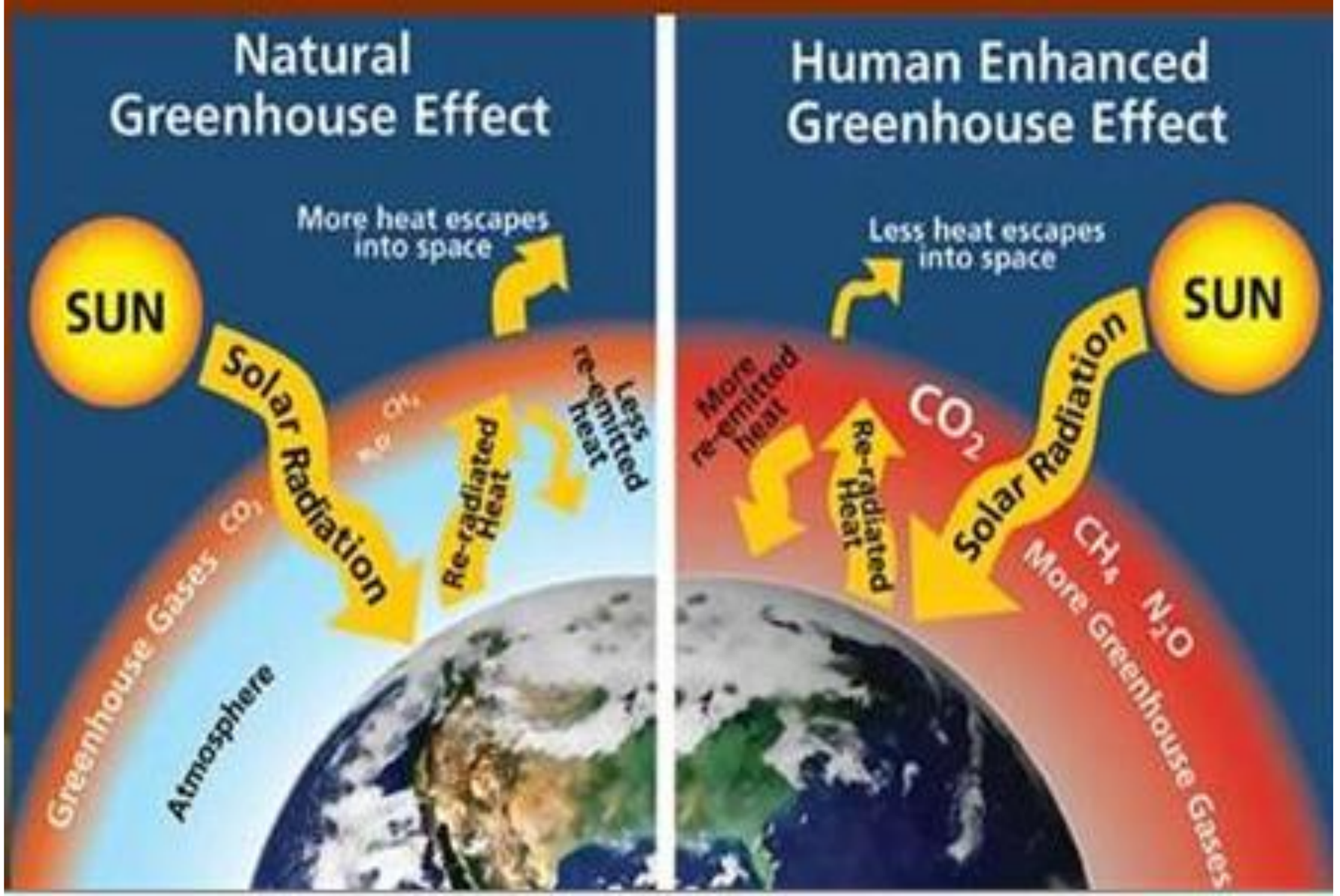
Natural
Greenhouse Effect
More heat escapes
into space
SUN
Solar Radiation
Re-radiated
Heat
Less
re-emitted
heat
Greenhouse Gases
Atmosphere
Human Enhanced
Greenhouse Effect
Less heat escapes
into space
SUN
Solar Radiation
More
re-emitted
heat
Re-radiated
Heat
CO_2
CH_4
N_2O
More Greenhouse Gases

Greenhouse Effect

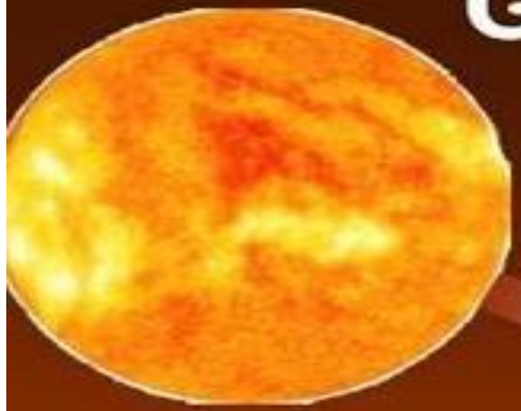

The Sun's energy passes through the car's windshield.

This energy (heat) is trapped inside the car and cannot pass back through the windshield, causing the inside of the car to warm up.

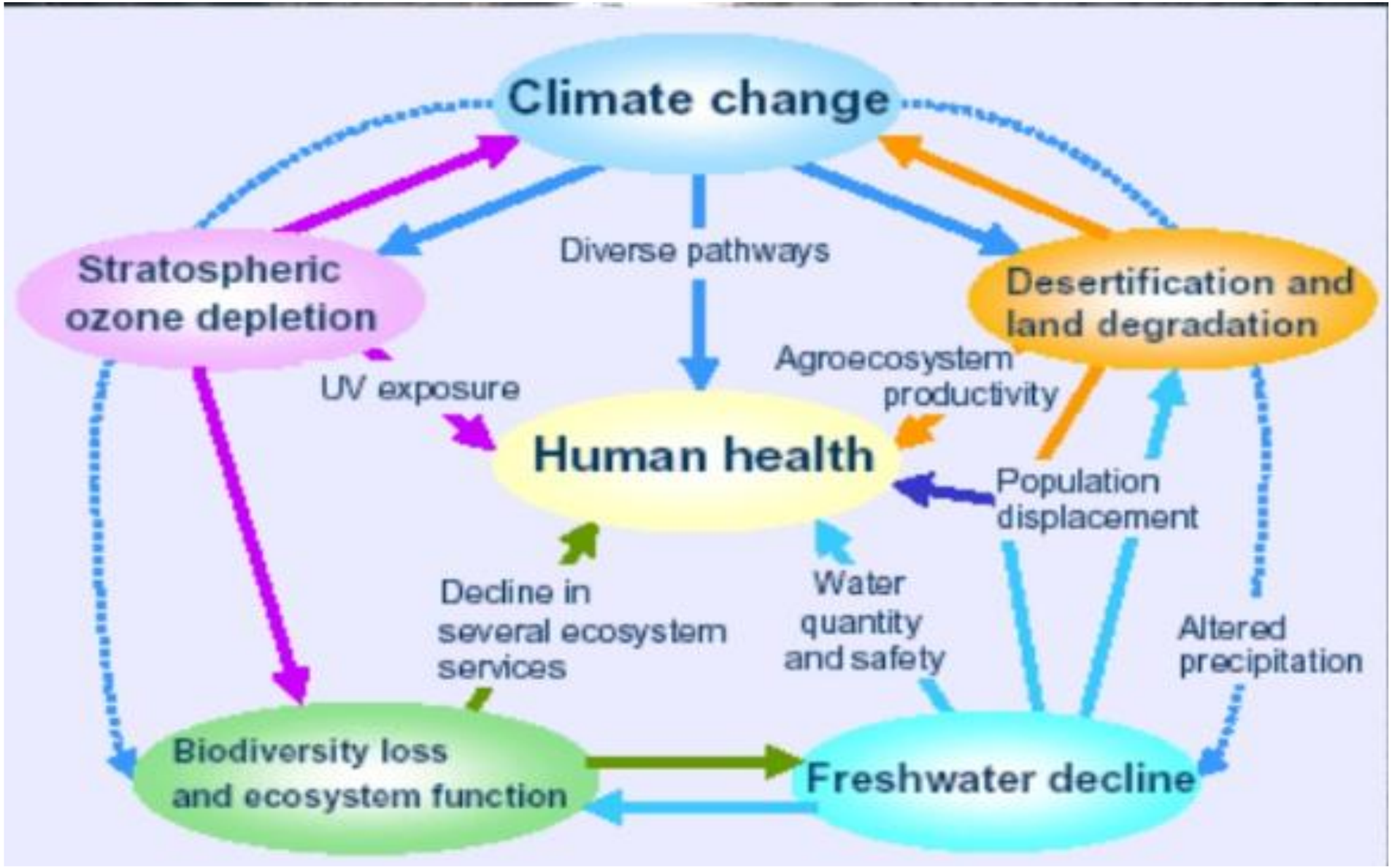
Climate change
Stratospheric ozone depletion
Diverse pathways
Desertification and land degradation
UV exposure
Agroecosystem productivity
Human health
Population displacement
Decline in several ecosystem services
Water quantity and safety
Altered precipitation
Biodiversity loss and ecosystem function
Freshwater decline

CLIMATE CHANGE ORGANIZATION

1.UNFCCC

UN Summit Conference on Environment and Development (UNCED) held in Rio de Janerio in June 1992 adopted, by consensus, the first multilateral legal instrument on Climate Change, the UN Framework Convention on Climate Change or the UNFCCC.

In 1992, countries joined UNFCCC, to cooperatively consider what they could do to limit average global temperature increases and the resulting climate change

There are now 195 Parties to the Convention

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)

UNEP का गठन यूनाइटेड नेशन्स जनरल असेंबली द्वारा यूनाइटेड नेशन्स की स्टॉकहोम, स्वीडन में, उसी वर्ष मानव पर्यावरण के ऊपर हुई कान्फ्रेंस के परिणामस्वरूप हुआ। 1992 में रियो-डी जेनेरियो में पर्यावरण एवं विकास पर हुई संयुक्त राष्ट्र कान्फ्रेंस तथा 2002 में जोहॉन्सबर्ग में सतत (दीर्घोपयोगी) विकास पर हुआ, विश्व शीर्ष सम्मेलन (इसे RIO + 10 भी कहा जाता है) भी इसकी संरचना को बदल नहीं पाए। इसका मुख्यालय नैरोबी (केन्या) में है।

2. KYOTO PROTOCOL: COP-3

The Kyoto Protocol was adopted in Kyoto, Japan, on 11 December 1997. Due to a complex ratification process, it entered into force on 16 February 2005.

In short, the Kyoto Protocol is what “operationalizes” the Convention. It commits industrialized countries to stabilize greenhouse gas emissions based on the principles of the Convention.